



HR  
13/8/89

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्रधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 22]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 3 1989/ज्येष्ठ 13, 1911

No. 22] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 3, 1989/JYAISTHA 13, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या से जाती है जिससे कि यह असर संकलन के क्षय से रक्षा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और आरो किए गए साधारण नियम, (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general Character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1989

सा.का.नि. 385.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार टक्कात में सुरक्षा अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, व्यवस्था:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारत सरकार टक्कात (सुरक्षा अधिकारी) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो इन नियमों से उपावद अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अहंताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अहंताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त/उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहंता:— वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केल्यांय सरकार का यह ममाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लाग स्वीय विधि के अधीन अन्तर्भूत है और ऐसा करने के लिए अन्य साक्षात् है तो वह नियम व्यक्ति को दूर नियम के प्रत्यर्तन से बाहर के गोंगी।

5. शिखित करने की शर्तिन :- जहाँ केंद्रीय सरकार की पत्र गय है तो इस प्रकार करना आवश्यक या समीचीत है, यथा यह, उनके लिए जो कारण है उन्हें निवारण करके तथा संघ स्त्री भेदवा आयोग में परामर्श करने, इन तितामों के किसी उपराज्य को किसी वर्ष या प्रवर्ष के आकिरांती वाले आदेश द्वारा शिखित कर नकेती।

6. यावतीनि:—इन नियमों की कोई छान, गेंडे आरक्षणी, आयु-सीमा में छठ और अन्य विधायकों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिसका केन्द्रीय भरकार द्वारा इस संविधान में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुमूलित जातियों, अनुमूलित अनजातियों, भूतपूर्व सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध करना अपेक्षित है।

प्रनम्नी

आगत मरकार ट्यूमरलों में सुरक्षा प्रभिकारी के पद के लिए भर्ती नियम

पद का नाम मंस्का	पदों की मंस्का	वर्गीकरण	वेतनमात्र	अपन पद प्रथमा प्रथम पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले अभियों के लिए आय-सीमा केन्द्रीय विधिवाली सेवा (वेतन) नियम, 1972 के नियम 30 के प्रधीन प्रत्येक है या नहीं	सेवा में जोड़े गए पदों का फ़ायदा
1	2	3	4	5	6	7
मुख्य प्रधिकारी ( 1988 ) वर्षदृष्टि, कलकाता श्रीर नीरेण्ट टक्काल प्रथम- 1 *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।	3* ममृह 'ख' गजपति (अनन्यधिकारी)	माध्यरात्र केस्त्रीय सेवा, ममृह 'ख' गजपति (अनन्यधिकारी)	2000-60-2300- द.रो.-75-3200- 100-3500 रुपये	वेतन	30 वर्ष में प्रधिक नहीं	नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अन्यदेशों या आवेदों के अनुसार मरकारी सेवकों के लिए 3 वर्ष प्रत्यक्ष नियमित की जा सकती है ।) टिप्पणी : प्राय-सीमा प्रबन्धालित दरने के लिए निर्णायक नारीख, भारत में अध्यर्थियों से (उसमें भिन्न जो प्रदेशों श्रीर निकोबार द्वीप समूह सम्म लकड़ीप में है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई <sup>1</sup> अंतिम नारीख होगी ।

मीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और प्रायः अर्द्धतापां भीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई जो विकल्प प्राप्त और शैक्षिक अर्द्धतापां प्राप्त व्यक्तियों की वजा में नाग होती या नहीं

प्रावस्थक :	9	10
(i) किसी मात्यता प्राप्त विषयविद्यालय से हित्री या समतुल्य । (ii) किसी सैनिक या पैगसैन्य संगठनों या केन्द्रीय पुलिस संगठनों या राज्य पुलिस संगठनों में कनिष्ठ कर्मीन्ह धार्धकारी या पुलिस उपाधीकर या समतुल्य की पंक्ति में 5 वर्ष का अनुभव ।	नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले अधिकारी के लिए दो वर्ष
(1) प्रह्लाद अन्यथा मुश्किल अस्थिरियों की वशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है । (2) अनुभव संबंधी प्रह्लाद (प्रह्लाद) संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन- जातियों के अस्थिरियों की वशा में नव शिथिल की जा सकती है (है) जब अयस के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह गय है कि उनके लिए आवश्यक गिरिकार्यों को भरने के लिए अर्थात् अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अस्थिरी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है ।	-	-

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोक्षण द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रति-

शनता

प्रोक्षण/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे अधिकारी जिनसे प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जायगा

- (1) 66-2/3 प्रतिशत प्रोक्षण द्वारा, जिसके न हो सकते पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा और दोनों के न हो सकते पर सीधी भर्ती होगा।
- (2) 33-1/3 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकते पर सीधी भर्ती होगा।

भूतपूर्व सेविकों के लिए।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण :

पुनर्नियोजन द्वारा।

प्रोक्षण: टकमाल के ऐसे नियोजनों में से जिन्होंने उम श्रेणी में 5 वर्षे नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: केन्द्रीय या राज्य सरकारों या केन्द्रीय पुनर्नियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती के नियमों के अधीन ऐसे अधिकारी—

(क) (1)जो नियमित आशार पर समृद्ध पर धारण करते हैं; या (2) जिन्होंने 1640-2900 रुपए वेतनमान बाले या समनुच्च पदों पर 5 वर्षे नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास सीधी भर्ती किए जाने वाले अधिकारी के लिए स्तम्भ 8 में विविहि वैधिक ग्रहणाएं और ग्रन्तियां हैं।

भूतपूर्व सेविकों के लिए।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण या पुनर्नियोजन :

सणस्त्र बल के ऐसे कार्यक्रम जो एक वर्षे की अवधि के भीतर सेवा निवृत्त होने वाले या रिजर्व में स्थानान्तरण किए जाने वाले हैं और जिनके पास अधिकारी विविहि ग्रन्तियां और ग्रहणाएं हैं पर भी विचार किया जायगा।

ऐसे अधिकारी को उस तरीके तक जिसमें वे सणस्त्र बल से नियुक्त होने वाले हैं प्रतिनियुक्ति की अवधि प्रदान की जाएगी, उसके पश्चात वे पुनर्नियोजन पर बनाए रखे जा सकते हैं।

(फाईर प्रवास के ऐसे विभागीय आधिकारी, जो प्रोक्षण की सीधी प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाव नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति विए गए गए अधिकारी प्रोक्षण द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाव नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके ग्रन्तीकारी केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले घारित किसी अन्य काडर बाह्य पर पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्षे से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोक्षण समिति है तो उसकी सरचना

भर्ती करने में किन परामर्शियों में संबंधित सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा

समूह 'ख' विभागीय प्रोक्षण समिति .

(प्रोक्षण पूर्णांक के लिए) :

1. महाप्रबंधक—प्रध्यक्ष

2. उप महा प्रबंधक—सदस्य

3. उप सचिव (सी आर सी) प्रार्थक कार्य विभाग—सदस्य

4. उप सचिव (प्रशासन) प्रार्थक कार्य विभाग—वित्त मन्त्रालय—सदस्य।

टिप्पण: पुस्ति से सबधित विभागीय प्रोक्षण समिति की कार्यवालियां, सभा लोक सेवा आयोग के ग्रन्तीकारार्थ भर्ती जाएगी किन्तु यदि आयोग उनका ग्रन्तीकारन नहीं करता है तो विभागीय प्रोक्षण समिति की वैधक सभा लोक सेवा आयोग के प्रध्यक्ष या किसी सदस्य की ग्राध्यकारा में फिर से होगी।

सीधी भर्ती करने समय या प्रतिनियुक्ति के लिए किसी अधिकारी का वयन करने समव सभा लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Economic Affairs)  
New Delhi, the 30th March, 1989

G.S.R. 385.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Security Officer, India Government Mints, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the India Government Mints (Security Officer) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns (2) to (4) of the Schedule annexed in these rules.

3. Method of recruitment, age limit, other qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns (5) to (13) of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions regarding to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of security Officer in the India Govt. Mints

Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or Non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972
1	2	3	4	5	6	7
Security Officer	3* (1988)	General Central Service	Rs. 2000-60-1 each	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Govt. servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government).	No.
		Group 'B'	2300-EB-75-3200-100-3500.			
		Calcutta and Noida Mints	Gazetted (Non-Ministerial)			
		*Subject to variation dependent on workload.				
Educational and other qualification required for direct recruits		Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods		
8	9	10	11			
Essential:	No.	2 years for direct recruits.	(i) 66-2/3% by promotion failing which by transfer on			
(i) Degree of a recognised University or equivalent.						

(ii) 5 years experience in Military or Para Military Organisations or Central Police Organisations or State Police Organisations in the rank of Junior Commissioned Officer or Deputy Superintendent of Police or equivalent.

Note. 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note: The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

deputation and failing both by direct recruitment.

(ii) 33-1/3% by transfer on deputation failing which by direct recruitment.

For Ex-Servicemen:

By transfer on deputation or Re-employment.

In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made.

If a DPC exists, what is its composition

Circumstances in which Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment.

12

Promotion: Inspectors in the Mints with 5 years regular service in the grade.

Transfer on deputation.

Officers under the Central or State Government or Central Police Organisation or State Police Organisation.

(a) (i) holding analogous posts on a regular basis; or  
(ii) with 5 years regular service in the posts in the scale of Rs. 1640-2900 or equivalent; and  
(b) possessing the educational qualifications & experience prescribed for direct recruits under column 8.

For Ex-Servicemen:

Transfer on deputation or Re-employment:

Armed Forces Personnel due to retire or who are to be transferred to reserve within a period of 1 year and having the requisite experience and qualifications prescribed shall also be considered. Such persons would be given deputation term upto the date on which they are due for release from the Armed Forces; thereafter they may be continued on re-employment.

(The departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion. Period of deputation including period of deputation in another cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

13

Group 'B' DPC (for promotion/ confirmation).

1. General Manager Chairman.  
2. Deputy General Manager- Member  
3. Deputy Secretary (C&C), Department of Economic Affairs - Member.  
4. Deputy Secretary (Administration)

Department of Economic Affairs,  
Ministry of Finance- Member.

Note: The proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval. If, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

14

Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making direct recruitment and selecting an officer for appointment on transfer on deputation.

इत्यात् प्रीर खान मंत्रालय

(ख्वान विभाग)

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1988

सा.का.नि. 346—गान्धीनी, संविधान के शनुष्टेद 309 के परन्तुकु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने द्वारा भारतीय भू-वैज्ञानिक व्यवस्थण (समूह 'क' द्वारा सम्बन्ध 'ब' पद) भर्ती नियम, 1967 वा और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकतः—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेषण (ममूल क. और समूल ख. पद) भत्ता (सशोधन) नियम, १९४४ है।  
 (2) ये गणपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवर्त्त होगे।

2. भारतीय भू-वैज्ञानिक मर्वर्थन (मानव की श्रींग समूह व्यवस्था) भर्ती नियम, 1967 की अनुसुची में, संहारणकालागत लेखा प्रधिकारी के पक्ष से संबंधित, प्राम सम्बन्धीक 35 और उसमें संबंधित प्रतिचिन्हों के स्थान पर, निम्नलिखित अस सम्बन्धीक और प्रतिचिन्हों रखा जाएगा, अर्थात् ।—

अनुसूची

1	2	3	4	5	6	6(क)
“35. महापक लागत सेवा भ्रष्टार्थी परिवर्तन किया जा सकता है।	8* *कार्यभार के आधार पर	माध्यारण केन्द्रीय सेवा, समृद्ध 'ख' राजपत्रित, भ्रनन्तुसचिवीय	2200-75-2800- द. रो.-100-1000 रुपये	चयन	35 वर्ष से प्राधिक नहीं (वर्तीय मरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुमार मरकारी सेवको के लिए 5 वर्ष तक शिखिल की जा सकती है। टिप्पणि : आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक आरोप भारत में अम्बियियों से (उनसे भिन्न जो प्रांडमान और निकोवार द्वारा तथा लभद्वीप में है) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियन्त को गई प्रतिम सारोक्त होगी।	हा

मायपृष्ठक :

आयः नहीं

सीधे भर्ती किए जाने वाले अवक्तव्यों के लिए

1 अपेक्षित अधिकारी के लिए 2 अपेक्षित

(1) भारत में चार्टेड एकाउंटेंट संस्थान परिषद द्वारा रखे गए संवर्ती के रजिस्टर में नामांकन के लिए या लागत तथा संकरे लेखांकार सम्मान, लबन या भारतीय लागत तथा संकरे लेखांकार सम्मान, कलकाता यी अंतिम परीक्षा के लिए मान्यता प्राप्त नेत्रा कम अर्हता ।

(2) किसी सरकारी या श्रीयोगिक संगठन में लागत लेखा में 7 वर्ष का व्यवहारिक प्रनुभव जिसके अन्तर्गत 3 वर्ष संगठन में किसी पर्यवेक्षक द्वारा हैमियत में या किसी वृत्तिक मिशन में प्रतिष्ठा सी है ।

ପିଲାରୀ

- (1) अर्हताएं प्रन्यथा सुअर्हित प्रभ्यथियों की दशा में सध लोक सेवा आयोग के विवेकानुभाव शिथिल की जा सकती है।
- (2) प्रनुभव सबधी अर्हता सध लोक सेवा आयोग के विवेकानुभाव प्रनुभवित जनियों द्वारा प्रनभूचित जनजनियों के प्रभ्यथियों की दशा में तथ शिथिल की जा सकती है जब ध्ययन के किसी प्रक्रम पर सध लोक सेवा आयोग की यह गाय है कि उनके लिए आरम्भित गिनियों को भग्ने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन ममुदायों के प्रभ्यथियों के पर्याय मध्यम में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

(1) 50 प्रतिशत प्रोप्रति द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्राननियुक्ति पर रखायी जाएगी।

(2) 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर रखानालग्न द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

## प्रोप्रति:

वायन लेगाकार जिन्होंने उस श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है।

## प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण:

केंद्रीय गवर्नर/राज्य सरकारों के अधीन ऐसे अधिकारी:

(क) (1) जो नियमित आधार पर सदृश पद धारण कर रहे हैं;

(2) जिन्होंने 2000-3500 रुपये वेतनमान बांगे या गमतूल्य पदों पर 3 वर्ष नियमित सेवा की है, या

(3) जिन्होंने 1640-2900 रुपये वेतनमान बांगे या गमतूल्य पदों पर 5 वर्ष नियमित सेवा की है; और

(ख) जिनके पास अन्तम 8 के प्रधान सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विभिन्न शैक्षिक अद्वैतांग और अनुभव हैं।

(फीडर प्रबन्ध के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोप्रति की सीधी पसिन में हैं। प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाव नहीं होंगे। उसी प्रकार प्रतिनियुक्ति किए गए व्यक्ति प्रोप्रति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पाव नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके प्रालंगन केंद्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य मण्डल/विभाग में इस नियुक्ति के ठीक पहले शारिन विसी अन्य काडर बालू पद पर नियुक्ति/प्रतिनियुक्ति की अवधि है, माधारणतया तीन वर्ष में अधिक नहीं होगी।)

## ममृत विभागीय प्रोप्रति नियमित:

(प्रोप्रति और दूरित के संबंध में विचार करने के लिए):

जिसमें निम्नलिखित होंगे:

- उप महानिदेशक—अध्यक्ष
- निदेशक या भारतीय भू-वैज्ञानिक गवर्नेंशन के ममतूल्य परिषिक का गोई अधिकारी—मदस्य
- (3) निदेशक (कार्मिक) या भारतीय भू-वैज्ञानिक गवर्नेंशन के ममतूल्य परिषिक का गोई अधिकारी—मदस्य।

टिप्पणि: पुण्डि से संबंधित विभागीय प्रोप्रति नियमित की कार्यकारियों, संघ लोक सेवा आयोग के ममतूल्यों भेजी जाएंगी किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है कि विभागीय प्रोप्रति नियमित की वैठक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी मदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

[फा.मं. ए-12018/20/82-एम II]

जे.बी. मुनिराजुल्ला, प्रवर सचिव

पात्र टिप्पणि:—भारतीय भू-वैज्ञानिक गवर्नेंशन (ममृत 'क' और ममृत 'क्ष' पद) भर्ती नियम, 1987 इसपात, खान और धारु मंत्रालय की अधिमूलन तारीख 28 नवम्बर, 1987 द्वारा या.का.नि. 1883 के स्थाने भारत के गणपत्र भाग 2, खंड 3, उपखंड (1) तारीख 16 दिसम्बर, 1967 में प्रकाशित हुआ था। इनका मंत्रालय प्रेटोलियम और रसायन तथा खान और धारु मंत्रालय (खान और धारु विभाग) की अधिमूलन तारीख 4 जून, 1989 के प्रधान, या.का.नि. 1575 के स्थाने भारत के गणपत्र में 28 जून, 1969 को प्रकाशित हुआ।

उन्न नियमों का इस्पात और खान मंत्रालय की अधिमूलन के अधीन निम्नलिखित द्वारा और संशोधन किया गया:—

- मा.का.नि. 1337, तारीख 26 नवम्बर, 1973 जो 8 दिसम्बर, 1973 को प्रकाशित हुए।
- मा.का.नि. 14, तारीख 20 दिसम्बर, 1973 जो 5 जनवरी, 1974 को प्रकाशित हुई।
- मा.का.नि. 502, तारीख 22 मई, 1974 जो 20 जून, 1974 को प्रकाशित हुई।
- मा.का.नि. 761, तारीख 6 जून 1974, 1974 जो 20 जून, 1974 को प्रकाशित हुई।
- मा.का.नि. 1698, तारीख 17 नवम्बर, 1976 जो 4 दिसम्बर, 1976 को प्रकाशित हुई।
- मा.का.नि. 418, तारीख 7 मार्च, 1977 जो 26 मार्च, 1978 को प्रकाशित हुई।

(7) मा.का.नि. 1980, नारीख 18 प्रगम्य, 1978 जो 2 जिनवर, 1978, को प्रकाशित हुई।  
 (8) मा.का.नि. 1265, नारीख 30 जिनवर, 1978 जो 21 अक्टूबर, 1978 को प्रकाशित हुई।  
 (9) मा.का.नि. 597, नारीख 2 अप्रैल, 1979 जो 28 अप्रैल, 1979 को प्रकाशित हुई।  
 (10) मा.का.नि. 598, नारीख 3 अप्रैल, 1979 जो 28 अप्रैल, 1979 को प्रकाशित हुई।  
 (11) मा.का.नि. 1397, नारीख 7 नवम्बर, 1979 जो 21 नवम्बर, 1979 को प्रकाशित हुई।  
 (12) मा.का.नि. 461, नारीख 11 अप्रैल, 1980 जो 26 अप्रैल, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (13) मा.का.नि. 715, नारीख 5 जूलाई, 1980 जो 19 जून, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (14) मा.का.नि. 716, नारीख 20 जून, 1980 जो 5 जूलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (15) मा.का.नि. 717, नारीख 21 जून, 1980 जो 5 जूलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (16) मा.का.नि. 718, नारीख 23 जून, 1980 जो 5 जूलाई, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (17) मा.का.नि. 997, नारीख 11 मिनवर, 1980 जो 27 मिनवर, 1980 को प्रकाशित हुई।  
 (18) मा.का.नि. 555 नारीख 25 मई, 1981 जो 13 जून, 1981 को प्रकाशित हुई।  
 (19) मा.का.नि. 966 नारीख 16 अक्टूबर, 1981 जो 31 अक्टूबर, 1981 को प्रकाशित हुई।  
 (20) मा.का.नि. 968, नारीख 17 अक्टूबर, 1981 जो 31 अक्टूबर, 1981 को प्रकाशित हुई।  
 (21) मा.का.नि. 14, नारीख 19 दिसम्बर, 1980 जो 3 जनवरी, 1981 को प्रकाशित हुई।  
 (22) मा.का.नि. 711, नारीख 13 प्रगम्य, 1982 जो 28 प्रगम्य, 1982 को प्रकाशित हुई।  
 (23) मा.का.नि. 100, नारीख 9 दिसम्बर, 1982 जो 25 जनवरी, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (24) मा.का.नि. 478, नारीख 2 जूलाई, 1983 जो 14 जून, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (25) मा.का.नि. 479, नारीख 15 जून, 1983 जो 2 जूलाई, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (26) मा.का.नि. 584 नारीख 25 जूलाई, 1983 जो 6 प्रगम्य, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (27) मा.का.नि. 602, नारीख 26 जूलाई, 1983 जो 13 प्रगम्य, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (28) मा.का.नि. 682, नारीख 25 प्रगम्य, 1983 जो 17 दिसम्बर, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (29) मा.का.नि. 975, नारीख 2 नवम्बर, 1983 जो 17 दिसम्बर, 1983 को प्रकाशित हुई।  
 (30) मा.का.नि. 107 नारीख 12 जनवरी, 1984 जो 4 फरवरी, 1984 को प्रकाशित हुई।  
 (31) मा.का.नि. 172 नारीख 30 जनवरी, 1984 जो 18 फरवरी, 1984 को प्रकाशित हुई।  
 (32) मा.का.नि. 653, नारीख 18 जून, 1984 जो 30 जून, 1984 को प्रकाशित हुई।  
 (33) मा.का.नि. 900, नारीख 4 प्रगम्य, 1984 को 25 प्रगम्य, 1984 को प्रकाशित हुई।  
 (34) मा.का.नि. 37, नारीख 29 दिसम्बर, 1984 जो 12 जनवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।  
 (35) मा.का.नि. 67 नारीख 4 जनवरी, 1985 जो 19 जनवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।  
 (36) मा.का.नि. 68, नारीख 5 जनवरी, 1985 जो 19 फरवरी, 1985 को प्रकाशित हुई।  
 (37) मा.का.नि. 543, नारीख 27 मई, 1985 जो 8 जून, 1985 को प्रकाशित हुई।  
 (38) मा.का.नि. नारीख 31 जूलाई, 1986 को प्रकाशित हुई।  
 (39) मा.का.नि. नारीख 5 नवम्बर, 1986 को जो को प्रकाशित हुई।

## MINISTRY OF STEEL &amp; MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 29th December, 1988

G.S.R. 386. — In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Geological Survey of India (Group A and Group B Posts) Recruitment Rules, 1967, namely:-

1. (1) These rules may be called by Geological Survey of India (Group A and Group B posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1988  
 (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Geological Survey of India (Group A and Group B posts) Recruitment Rules, 1967, for serial number 35 relating to the post of Assistant Cost Accounts Officer and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted, namely : -

1	2	3	4	5	6
35 Assistant Cost Accounts Officer	*8 *Subject to variation dependent on workload.	General Central Service, Group "B", Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000.	Selection	Not exceeding 35 years. (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government). Note: The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

6a

7

8

Yes

Essential:

No

(1) Accountancy qualification recognised for enrolment in Register of Members maintained by the Council of the Institute of Chartered Accountants in India, or the Final Examination of the Institute of Cost and Works Accountants, London or of the Indian Institute of Cost and Works Accountants, Calcutta.

(2) 7 years, practical experience in Cost Accounting in a Government or industrial organisation including 3 years in a supervisory capacity within the organisation or in a professional capacity.

Note 1. Qualifications are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2. The qualification regarding experience is relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if, at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

9

10

11

1 year for direct recruits and 2 years for promotees.

(i) 50% by promotion, failing which by transfer on deputation.  
 (ii) 50% by transfer on deputation, failing which by direct recruitment.

Promotion:

Cost Accountants with 3 years regular service in the grade.

Transfer on deputation:

Officers under the Central /State Governments:—

(a) (i) holding analogous posts on regular basis; or  
 (ii) with 3 years regular service in posts in the scale of Rs. 2000-3500 or equivalent; or  
 (iii) with 5 years regular service in posts in the scale of Rs. 1640 -2900 or equivalent; or  
 (b) possessing the educational qualifications and experience prescribed for direct recruits under column 8.

(The Departmental officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly deputationists shall not be eligible for consideration for appointment on deputation. Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding this appointment in the same or some other organisation/department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

12

13

Group B Departmental Promotion Committee  
 (for considering promotion and confirmation) consisting of:

1. Deputy Director General- Chairman.
2. Director or an officer of equivalent rank of GSI—Member
3. Director (Personnel) or an officer of equivalent rank of Geological Survey of India.  
 —Member.

Consultation with the Union Public Service Commission; necessary on each occasion".

Note: — The proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public service Commission for approval. If however, these are not approved by the Union Public Service Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.

## Foot Note:

The Geological Survey of India (Group A & Group B posts) Recruitment Rules, 1967 were published in the Gazette of India, Part II Section 3, Sub-Section (i) on 16th December, 1967 as G.S.R. 1883 vide the then Ministry of Steel and Mines and Metals Notification dated 28th November, 1967. These were amended vide Ministry of Petroleum and Chemicals and Mines and Metals (Department of Mines and Metals) Notification dated 4th June, 1969 published as G.S.R. 1515 on 28th June, 1969 in the Gazette of India.

The above said rules were further amended vide Ministry of Steel and Mines Notification.

- (1) Dated 26th November, 1973 published on 8th December, 1973 as G.S.R. 1337.
- (2) Dated 20th December, 1973 published on 5th January, 1974 as G.S.R. 14.
- (3) Dated 22nd May, 1974 published on 1st June, 1974 as G.S.R. 502.
- (4) Dated 6th July, 1976 published on 20th July, 1974 as G.S.R. 761.
- (5) Dated 17th November, 1978 published on 4th December, 1976 as G.S.R. 1698.
- (6) Dated 7th March, 1977 published on 26th March, 1978 as G.S.R. 418.
- (7) Dated 18th August, 1978 published on 2nd September, 1978 as G.S.R. 1980.
- (8) Dated 30th September, 1978 published on 21st October, 1978 as G.S.R. 1265.
- (9) Dated 2nd April, 1979 published on 28th April, 1979 as G.S.R. 597.
- (10) Dated 3rd April, 1979 published on 28th April, 1979 as G.S.R. 598.
- (11) Dated 7th November, 1979 published on 24th November, 1979 as G.S.R. 1397.
- (12) Dated 11th April, 1980 published on 26th April, 1980 as G.S.R. 461.
- (13) Dated 19th June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 715.
- (14) Dated 20th June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 716.
- (15) Dated 21st June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 717.
- (16) Dated 23rd June, 1980 published on 5th July, 1980 as G.S.R. 718.
- (17) Dated 11th September, 1980 published on 27th September, 1980 as G.S.R. 997.
- (18) Dated 25th May, 1981 published on 13th June, 1981 as G.S.R. 555.
- (19) Dated 16th October, 1981 published on 31st October, 1981 as G.S.R. 966.
- (20) Dated 17th October, 1981 published on 31st October, 1981 as G.S.R. 968.
- (21) Dated 10th December, 1980 published on 3rd January, 1981 as G.S.R. 14.
- (22) Dated 13th August, 1982 published on 28th August, 1982 as G.S.R. 711.
- (23) Dated 9th December, 1982 published on 25th January, 1983 as G.S.R. 1004.
- (24) Dated 14th June, 1983 published on 2nd July, 1983 as G.S.R. 478.
- (25) Dated 15th June, 1983 published on 2nd July, 1983 as G.S.R. 479.
- (26) Dated 25th July, 1983 published on 6th August, 1983 as G.S.R. 584.
- (27) Dated 26th July, 1983 published on 13th August, 1983 as G.S.R. 602.
- (28) Dated 25th August, 1983 published on 17th September, 1983 as G.S.R. 682.
- (29) Dated 2nd November, 1983 published on 17th December, 1983 as G.S.R. 975.
- (30) Dated 12th January, 1984 published on 4th February, 1984 as G.S.R. 107.
- (31) Dated 30th January, 1984 published on 18th February, 1984 as G.S.R. 172.
- (32) Dated 18th June, 1984 published on 30th June, 1984 as G.S.R. 653.
- (33) Dated 4th August, 1984 published on 25th August, 1984 as G.S.R. 900.
- (34) Dated 29th December, 1984 published on 12th January, 1985 as G.S.R. 37.
- (35) Dated 4th January, 1985 published on 19th January, 1985 as G.S.R. 67.
- (36) Dated 5th January, 1985 published on 19th January, 1985 as G.S.R. 685.
- (37) Dated 27th May, 1985 published on 8th June, 1985 as G.S.R. 543.
- (38) Dated 31st July, 1986 published on 31st July, 1986 as G.S.R.
- (39) Dated 5th November, 1986 published on 5-11-86 as G.S.R.

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 10 मई, 1989

सा० का० नि० 387 :—गढ़पति, भविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुका प्रारंभ शक्तियों का प्रयोग करने हुए और केन्द्रीय स्वास्थ्य योजना (श्रेणी-4 पद) भर्ती नियमावली 1974 को, जहाँ तक उनका संबंध महिला महायक के पद में है, उन आर्तों के मिवाए अधिकारांत करने हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है केन्द्रीय भरकार स्वास्थ्य योजना में महिला परिचर के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, श्रावितः—

1. मंशिष्म नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का मंशिष्म नाम केन्द्रीय भरकार स्वास्थ्य योजना महिला परिचर (महू “ध” पद) भर्ती नियम, 1988 है।

(2) ये नाम पत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होग।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा जो हम नियमों से उपायद अनुसूची के सम्म 2 से सम्म 4 में विविधिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अहंताएँ आदि : उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अहंताएँ और उससे संबंधित अन्य बासें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के सम्म 5 से 14 में विविधिष्ट हैं।

#### 4. निरहंसा, वह व्यक्ति

(क) जिसमे ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी आवित है, विवाह किया है, या

(ब) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हाँ किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का यह समाधान हो जाना है कि ऐसा विवाह ऐसे अन्ति और विवाह के अन्य पक्षकारों को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुबंध है और ऐसा बर्ने के लिए अन्य अधिकार है तो वह किसी व्यक्ति को हस्त नियम के प्रवर्तन से छुट दे सकती ।

5. शिथिल करने की याति: जहां कोद्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक नहीं है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखनशुल्क करने के तथा इन नियमों के किसी उपर्युक्त को किमी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आदेश द्वारा शिथिल कर सकती।

6. व्यावृत्ति: इन नियमों की कोई बात, ऐसे आरक्षणों, प्रायु भीमा भे छूट और अन्य रिक्यानों पर प्रभाव नहीं आनेगी, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुमूलित जातियों, अनुमूलित जनजातियों, भूतपूर्य सैनिकों और अन्य विशेष प्रवर्ग के अस्तियों के लिए उपचान्द करना अपेक्षित है।

અનુસૂચી

प्रम पद का नाम सं	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैवरण	क्रम १५ अनुसार श्रेष्ठतम् पद	संवेद सर्वानुसारी जाति शास व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	
1	2	3	4	5	6	7
1. महिलापरिवर्तन ( 1988 )	176*	माधारण केन्द्रीय सेवा ममूह “घ” अननुसारियीय	800-15-1010-८० रु०- 1150 रुपये	प्रचयन	लागू नहीं होता	

\*कार्यमार्ग के आधार

पर परिवर्तन

किया जा सकता

है ।

सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के सिए शैक्षिक सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित परिवीक्षा की प्रवधि यदि कोई हो ।  
श्रीर श्रम्य अहताएं श्रीर शैक्षिक अहताएं प्रोत्सति व्यक्तियों की दशा में  
लागू होंगी या नहीं ।

8

9

10

लागू नहीं होता

लागू नहीं होता

2 वर्ष

भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे शोगी या प्रोजेक्ट द्वारा या प्रतिनियुक्त/स्थानान्तरण द्वारा या विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाए थाली रिकियों की प्रतिशतता।

प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वसा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा।

11

प्रोफेटि वारा

www.rajya-sabha.nic.in वेबसाइट पर जानकारी देखने की सुविधा उपलब्ध है।

यदि विभागीय धोषति समिति है तो उसकी संचया

भर्ती करने में किन-किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

समृद्ध “ब” विभागीय प्रोफेसि समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे:-

लाग नहीं होता

### 1. सहायक महानिदेशक (मुख्यालय)---प्रध्यक्ष

2. राजपत्रित अधिकारी जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो

—४—सदस्य

### 3. मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सी० जी० एच० एस०) - सरकारी

#### 4. संबद्ध प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE  
(Department of Health)

New Delhi, the 10th May, 1989

G.S.R. 387.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Central Government Health Schemes (Class IV Posts) Recruitment Rules, 1974, in so far as they relate to the Post of Female Attendant, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Female Attendant, in the Central Government Health Scheme, Delhi, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Government Health Scheme, Female Attendant (Group 'D' Posts) Recruitment Rules, 1988.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and

other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient, so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any clause or category of persons.

7. Savings.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit, and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of the post	No. of post	Classification	Scale of Pay	Whether selection or non selection	Age for direct recruitment
1	2	3	4	5	6
Female Attendant	*176 (1988) *Subject to variation dependent on on workload.	General Central Services, Group D, Non-Ministerial.	Rs. 800-15-1010-EB- 1150	Non -Selection	Not applicable.
Educational & other qualifications required for direct recruits	Whether age and educational prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/ transfer and vacancy to be filled by various Methods		
8	9	10	11		
Not applicable.	Not applicable.	Two years	By Promotion		
In case of recruitment by promotion/deputation/transfer/ grades from which promotion/ deputation/transfer to be made.	If a DPC exists what is its compositions		Circumstance in which UPSC is to be consulted in making recruitment		
12	13	14			
Ayah and Midwife with a minimum of 3 years regular service.	Group 'D' Departmental Promotion Committee consisting of 1. Assistant Director General (HQ).—Chairman. 2. Gazetted Officer belonging to SC/ST—Member. 3. Chief Medical Officer (CGHS)—Member. 4. Administrative Officer concerned—Member.		Not applicable.		

## परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद्

बंबई, 29 मार्च, 1989

मा०का०मि० ३४८.—परम. नू. ऊर्जा नियामक परिषद् 1971 के नियम १५ के अनुसरण में, विकिरण के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के लिए विकिरण पर नियमों रखने संबंधी निम्नलिखित प्रक्रियाओं को विनियिट करता है :—

१. संक्षिप्त नाम, विस्तार और आरम्भ :—(१) इन प्रक्रियाओं का नाम विकिरण के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के लिए विकिरण पर नियमों रखने संबंधी प्रक्रियाएँ, 1989 हैं।

(२) यह सम्पूर्ण भारत पर लागू होंगी।

(३) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

२. परिवर्याएँ :—इन प्रक्रियाओं में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित नहीं हैं।

(क) “पर्याप्त बचाव” से विकिरण से हमीं प्रकार से किया गया बचाव अभिप्रेत है कि विकिरण और संदूषण के स्तरों को उतना कम रखा जाए, जितना कि योग्यता रूप से रखा जा रहा हो तथा किसी भी सामले में वे स्तर निर्धारित परिचालन संबंधी परिस्थितियों से अधिक न हों।

(ख) “समृच्छा” से वह अभिप्रेत है जो उपयुक्त बचाव सुनिश्चित करने के लिए सधम प्राधिकारी की राय में समृच्छा हो।

(ग) “प्राधिकृत करना” से विकिरण उपस्कर्ता के प्रयोग के लिए गक्षम प्राधिकारी की विविधता अनुमति अभिप्रेत है।

(घ) “प्राधिकृत कार्मिक” में वह कार्मिक अभिप्रेत है जो विशेष चिकित्सीय नियम अथवा चिकित्सा के लिए आवश्यक समुचित अहता और अनुबन्ध रखता है।

(ङ) “चालू करने” से अभिप्रेत है दिजायन अथवा विनियोगों के अनुसार उपस्कर अथवा प्रतिष्ठान की संरक्षा और उसके कार्यपालक व्यक्ति को प्रमाणित करने के लिए यथावश्यक पर्याप्त और मापन करने के बाद विकिरण उपस्कर और विकिरण प्रतिष्ठान का उपयोग आरंभ करता।

(च) “सधम प्राधिकारी” से इन नियमों की लागू करने के लिए केन्द्रीय सरकार हाला अधिसूचना जारी करके नियुक्त किया गया प्राधिकारी या प्राधिकारी अभिप्रेत है;

(छ) “अंतिम रूप से बद करना” से किसी विकिरण उपस्कर अथवा विकिरण प्रतिष्ठान के उपयोग का सभी रेडियोधर्मी पदार्थों को बहाने से हटाने के बाद, विकिरण उपस्कर को विषयित करके अथवा विषयित किए गए जिन स्वार्थी आधार पर बद किया जाना अभिप्रेत है;

(ज) “नियोक्ता” से ऐसा कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जो विकिरण प्रतिष्ठान में विकिरण अधिकृत नियुक्त करता हो अथवा जो एक मात्र विकिरण अधिकृत के रूप में स्वयं नियुक्त हो;

(झ) “बाह्य जोखिम” से अभिप्रेत है स्वास्थ्य संबंधित वे जोखिम जो प्रभावित व्यक्ति के शरीर से बाहर स्थित भ्रोता से उत्पन्न विकिरण के कारण हो;

(झा) “हैंडल करना” से अभिप्रेत है विनियोग, कठोर में रखना, भंडारण, उपयोग करना, विक्रय द्वारा या अन्यथा अन्तरण, नियांत, आत, परिवहन या निपटान।

(झ) “शान्तरिक जोखिम” से अभिप्रेत है स्वास्थ्य संबंधित वे जोखिम जो प्रभावित व्यक्ति के शरीर के अन्दर स्थित भ्रोता में उत्पन्न आयनन विकिरण के कारण हो;

(झ) “लाईसेंसधारी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे इन नियमों के नियम ३ के अधीन लाईसेंस दिया गया है;

(इ) “प्रचालन सीमाओं” से अभिप्रेत है विकिरण के स्तरों या संदूषण के स्तरों के संबंधित ऐसी सीमाएँ जिन्हें सक्षम प्राधिकारी, अधिसूचना द्वारा, समय-समय पर विनियिट करें;

(झ) “योजना बनाना” से उपयुक्त (ज) भवन के अभिन्नास,

(ii) विकिरण से परिवर्तन, (iii) बचाव उपर्युक्त तथा (iv) प्रचालन प्रतियाओं संबंधी उपयुक्त अद्यता वर्तने के लिए विकिरण पर नियमों रखने संबंधी अधिकारी विकिरण प्रतिष्ठान में संबंधित प्रचालन वर्तने रखने के लिए विकिरण किया जा सके;

(ग) “गुणवत्ता नियव एवं धर्माणों” से विकिरण उपस्कर के कार्य-नियोजन तथा विषयसन्नियता को उसके हिनायनसंबंधी विनियोजनों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले परीक्षण अभिप्रेत हैं;

(त) “विकिरण” अथवा “आवनन विकिरण” से अभिप्रेत है गामा किरण, एम्स-किरण तथा ऐसी किरणें जिनमें एल्फ कण, बीटा कण, न्यूट्रोन प्रोटोन तथा अन्य नाभिकीय और अल्प-परमाणु कण शामिल हों। किन्तु छवनि अथवा रेडियो तरंगें, इश्क्वा दृश्य अथवा अथवा परावैज्ञानिक प्रकाश अभिप्रेत नहीं हैं।

(थ) “विकिरण उपस्करों” में वे उपस्कर तथा युक्तियाँ जो रेडियोधर्मी सामग्रियों से युक्त हों तथा विकिरण उपर्युक्त करने वाले वे संयंत्र और उपस्करण जिनके अन्तर्गत एम्स-किरण उपस्कर वर्तने वाले संयंत्र और उपस्कर, विकित्सा कार्यों में प्रयोग होने वाले त्वरक तथा न्यूट्रोन जनित्र भी आते हैं, गमिल हैं।

(द) “विकिरण प्रतिष्ठान” से ऐसा कोई रथन इष्टका सुधि अभिप्रेत है जिसकी विकिरण गंभीर नियरानी समक्ष प्राधिकारी की राय में आवश्यक हो। विकिरण प्रतिष्ठानों में ऐसे सर्वोत्तम स्थान शामिल हैं जहां रेडियोधर्मी सामग्री अधिका विविध उपस्कर प्रयोग में लाए जाते हों अथवा जहां संबंधित प्रतिष्ठान तथा प्रचालन किए जाते हों;

(घ) “विकिरण नियरानी” से वे उपाय अभिप्रेत हैं जिन्हें सधम प्राधिकारी ने सामान्य रूप में अथवा विसी भी मास्टे में पर्याप्त बचाव की व्यवस्था करने के लिए विनियिट किया हो। इन उपायों में वे उपाय तथा प्रतिया शामिल हैं जिन्हें इन “प्रक्रियाओं” के अन्तर्गत विकित्सा में विकिरण के प्रयोग के लिए विनियिट किया गया है।

(न) “विकिरण-विकित्सा संरक्षा अधिकारी” से कोई भी ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो नियोक्ता द्वारा इस प्रकार पदानिहित किया गया हो और जो गक्षम प्राधिकारी की उद्योग संबंधी व्यक्ति भी है किन्तु नियमों में परिवाप्त नहीं है;

(प) “नियमों” से विकिरण संरक्षण नियम, 1971 अभिप्रेत है;

(क) ऐसे शब्दों एवं अभिव्यक्तियों का जो इन प्रक्रियाओं में परिवाप्त नहीं है किन्तु नियमों में परिवाप्त है, अमरा वही अर्थ होगा जो उनका इन नियमों में है।

३. विकिरण पर नियरानी रखने संबंधी कार्यक्रम के ढार्ये:—

(१) नियोक्ता यह सुनिश्चित करेगा कि विकिरण प्रतिष्ठानों, विकिरण उपस्करों तथा रेडियोधर्मी सामग्रियों से संबंधी सभी प्रतिया तथा प्रचालन प्रतियोगी बचाव की सुनिश्चितता के लिए सुकृत सामान्य प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित पूर्वयोजित नियरानी कार्यक्रम के अनुसार विकिरण पर नियम ३ के अधीन लाईसेंस दिया गया है;

(२) नियरानी कार्यक्रम के साथ-साथ निम्नलिखित अंश शामिल होंगा:—

(i) योग्य बचाव सुनिश्चित करने के लिए विकिरण उपस्कर आरंभ

विकिरण प्रतिष्ठानों दोनों के गवंध में उपयुक्त अस्तित्वात्मक संरक्षा साधनों का प्रावधान करना :

(ii) विकिरण मापने और उसकी संवीक्षा करने के लिए उपयुक्त यंत्रों अथवा उपकरणों का प्रावधान करना और उनका उपयोग करना ; तथा

(iii) सुरक्षा रक्षी सभी प्राचलों और प्रणालियों की आवधिक संवीक्षा करना त.कि उनका निरन्तर संतोषजनक कार्य निपाहन सुनिश्चित किया जा सके ।

4. नईमें अथवा प्राविकारी :— (1) विकिरण उपस्कर अथवा रेडियोवर्मी सामग्री का प्रयोग करने का इच्छुक कोई नियोक्ता असम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बाद ही ऐसा कर सकेगा ।

(2) वह इस प्रकार की अनुमति के लिए असम प्राविकारी को आवेदन करेगा जो उसे ऐसी सामग्री अथवा उपस्कर का प्रयोग करने के लिए असम अधिकारी से लाईसेंस ग्राहक प्राविकारी दोनों से किसी एक रूप में दी जाएगी ।

5. उत्तरकर्ता इतिवेत सहायी :— (1) सभी विकिरण उपस्करों और बचाव के काम आने वाले उपस्करों तथा उनके राहायक कल्पनों आदि का इतिवेत और निर्माण उनके परिरक्षण की पर्याप्तता और प्रचालन संबंधी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा ।

(2) सभी रेडियोवर्मी स्रोतों और उनके भायायक उपकरणों के इतिवेत तैयार करने और उनके निर्माण का काम इस बात को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा कि यामात्य स्थिति तथा दृष्टिटा की स्थितियों में उपयोग करने समय उनमें रेडियोवर्मिता पूर्ण तरह से संरोक्षित रहे और उनमें विकिरण संबंधी संरक्षा बनी रहे ।

(3) बाह्य बतरां में बचाव की व्यवस्था निम्नलिखित बातों के विवेकपूर्ण मिलान के द्वाय की जाएगी :— स्रोत के प्रयोग से बहुत ही कम समय का इस्तेमाल, उपस्करों और स्रोत के बीच अधिकतम संभाष्य दूरी रखना तथा स्रोत के छारों और नुसन उपयुक्त परिरक्षण करना ।

(4) रेडियोवर्मी सामग्रियों का उपयुक्त संशोधन सुनिश्चित रखने पूर्वनिर्धारित उचित प्रचालन प्रक्रियाएं चुनने तथा दूर्घटना होने अथवा रेडियोवर्मी सामग्री के विलेव जाने पर संदृश्य को फैलने से बचाव के लिए उचित कार्यवाई करने जैसे उपाय अपनाकर अविकारी द्वारा उपयुक्त व्यवस्था की जाएगी ।

(5) (क) देश में बनाए जाने वाले प्रत्येक विकिरण उपस्कर के लिए स्थान प्राविकारी की स्वीकृति प्राप्त करनी होगी ।

(ख) विकिरण उपस्कर का आयन वर्णन अथवा इसका विकिरण करने से पहले सक्षम प्राविकारी को नियुक्ति दी जाएगी ।

6. विकिरण प्रतिष्ठान की योजना :— (1) विकिरण प्रतिष्ठान का स्थान तथा उसकी योजना इस प्रकार होगी कि कमज़ारियों, रोगियों तथा जन-सामान्य का पर्याप्त व्यावहारिक सुनिश्चित हो सके ।

(2) इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए किए जाने वाले उपयुक्त उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल होंगे :

(i) किसी विकिरण, प्रतिष्ठान में विकिरण उपकरण और रेडियोवर्मी सामग्रियों का हल्तन करने की सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर होंगी ।

(ii) विकिरण प्रतिष्ठान को अविक अवार्द्ध वाले क्षेत्रों, आम विकिरण और प्रशुर्णि वाली तथा संस्थान की ऐसी अन्य सुविधाओं, जो विकिरण और उसके प्रयोग से सीधे संबंधित न हों, जैसे यथासंभव दूरी पर स्थापित किया जाएगा ।

(iii) विकिरण प्रतिष्ठान और संरक्षा उपस्कर का नियाइट इस प्रकार से तैयार किया जाएगा कि विकिरण हल्तन संबंधी सभी कार्य सुरक्षापूर्वक किये जा सकें ।

7. विकिरण उपस्कर प्रथवा विकिरण प्रतिष्ठान का बालू होना :— किसी विकिरण उपस्कर प्रथवा विकिरण प्रतिष्ठान को उसके इतिवेत, योजना, निर्माण और प्रचालन संबंधी सभी पहलुओं पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति मिलने के बाद ही बालू किया जाएगा ।

8. विकिरण की सहायता से विकिरण करने वाले प्रतिष्ठान में कार्य करने की परिस्थितियों का प्रत्येक नियोक्ता द्वारा सुनिश्चित रखा जाना :— (1) वैयक्ति प्राधिकृत अवित ही रोगी के शरीर में विकिरण प्रथवा रेडियोवर्मी समस्यानिक प्रविष्ट कराएगा ।

(2) रेडियोवर्मी सामग्रियों के भंडारण, अपविधाएं, नियमों के प्रत्येक नियोक्ता द्वारा सुनिश्चित रखा जाना भी शामिल है, तथा नियटान के लिए उपयुक्त सुविधाएं नियोक्ता द्वारा सैद्ध उपलब्ध कराई जाएगी ।

(3) सभी विकिरण उपस्करों तथा सक्षम प्रतिष्ठानों के गुणवत्ता संबंधी परीक्षण समय पर किए जाएंगे तथा इन सभी परीक्षणों का रिकार्ड ठीक तरह से रखा जाएगा ।

(4) विकिरण से बचाव संबंधी कार्यक्रम जिसमें विकिरण संबंधी नियरानी के लिए सभी इन-हाउस उपायों और प्रक्रियाओं तथा नियमों के अन्तर्गत कार्य करना भी शामिल है, को कार्यान्वयित करने के लिए असम प्राधिकारी की स्वीकृति में नियोक्ता द्वारा एक योग्य विकिरण विकिरण संरक्षा अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी ।

(5) विकिरण संबंधी काम करने वाले प्रत्येक कर्मचारी द्वाय सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित संरक्षा उपस्कर तथा बचाव सुविधियों का पूरी तरह से उपयोग करके अपने तथा अन्य कर्मचारियों के बचाव की गयी वित्तीय देखभाल की जाएगी ।

(6) रेडियोवर्मी सामग्रियों को धतिप्रस्त द्वाय अथवा उन्हें गुम न होने देने अथवा इधर उत्तर होने देने के लिये उपयुक्त उपाय किए जाएंगे । इन उपायों में निम्नलिखित उपाय शामिल होंगे ।

(i) सील बंद बोतों के भावले में उस बोत की अद्वायता का पता लगाने के लिए उपयुक्त परीक्षण सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार करना,

(ii) सभी प्रकार की रेडियोवर्मी सामग्रियों जिनमें ऐसे भूक्तशेष लोत भी शामिल हैं जिनका प्रयोग नहीं किया जा सकता हो तथा जिनका नियटान किया जाना हो, का आवश्यकतानुसार नियमित रूप से ठाक मिलान करना ;

(iii) गुम हुए अथवा गलत जगह पर रखे गए लोतों को दूँकने तथा तथा उपयोग करने की उपयुक्त सुविधाएं जिनमें विकिरण मापने वाले यंत्रों की उपलब्धता भी शामिल है ।

(7) (क) असम प्राविकारी द्वारा स्वीकृत उचित हस्तन प्रक्रियाओं द्वारा उन लोतों को जो सील बंद नहीं है, विकरने से बचाया जाएगा ।

(ख) सक्षम प्राविकारी द्वारा स्वीकृत विसंदूषण संबंधी उपयुक्त सुविधाएं विकिरण संस्थानों में तालिकानिक प्रयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएगी ।

(8) धतिप्रस्त अथवा भूक्तशेष लोतों को प्रभावी रूप से अलग रखा जाएगा तथा उनको और आगे उपयोग में नहीं लाया जाएगा ।

(9) लोतों के धतिप्रस्त होने, इधर-उत्तर होने जाने अथवा गुम होने के बारे में सूचना सक्षम प्राविकारी को तुरन्त दी जाएगी ।

9. रेडियोवर्मी बहिक्षयों के नियटान की प्रक्रियाएः— (1) रेडियोवर्मी सामग्रियों के चिकित्सा संबंधी अनुप्रयोगों के परिणामस्थरूप गैरीय रेडियोवर्मी बहिक्षयों को घृमटोटी (भूयम हड) अथवा अन्य उपयुक्त नियप्रियक प्रणाली के जरिए पर्यावरण में इस तरीके के उन्मुक्त किया जाएगा जिसमें संधूषण के प्रभावी होने प्री सीमाएं, सक्षम प्राविकारी द्वारा निर्धारित सीमाओं से अधिक न होने पाएं ।

(2) डोरा और ब्रह्म रेडियोइमर्फी अपविष्ट पदार्थों का निपटान सभी प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए सांबंधी सिद्धान्तों के अनुसार किया जाएगा।

(3) रेडियोइमर्फी सामग्रियों से यक्षत शर्थों और अस्थिरणों का निपटान विविध चिकित्सा गंभीरता अधिकारी की नियरानी में तथा सभी प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए मर्मदर्शी निहान्तों के अनुसार किया जाएगा।

10. प्रत्येक नियोक्ता द्वारा बचाव संबंधी योजना भूतिज्ञता करना।

(1) विकिरण संबंधी कार्य करने वाले नवीन व्यक्तियों द्वारा उत्तराधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे।

(2) दिन-प्रतिक्रिया के प्रयोग के लिए विकिरण मापने वाले उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

(3) विकिरण मापने वाले उपकरण अच्छी तरह द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे तथा नियमित रूप से उनका प्रशंसणदृश्य किया जाएगा।

(4) विकिरण विविध तथा संरक्षा अधिकारी विकिरण संबंधी काम करने वाले सभी व्यक्तियों को उनकी नियुक्ति होने पर तथा उनके द्वारा विकिरण संबंधी काम शुरू किये जाने से पहले विकिरण बचाव संबंधी उपयुक्त प्रशिक्षण देखा तथा उन कार्यक्रमों को नवीनतम उपकरणों, प्रक्रियाओं और कार्य-पद्धति के बारे में पूरी जानकारी देने के लिए आवधिक पुस्तकर्थी पाठ्यक्रम बताए जाएंगे।

(5) जिन रोगियों के शरीर में हटाए जाने योग्य सीलबंद विकिरण क्लोट लगे हों उन्हें अस्थान में दाखिल किया जाएगा तथा उन रोगियों और स्त्रीयों की जांच सावधानी पूर्वक की जाती रहेगी ताकि वे योग्य गुम न हों अथवा इधर उधर न होने पाए।

(6) जिन रोगियों के शरीर में बिना सील बंद विकिरण सामग्री प्रविष्ट कराई गई हो अथवा ल्यारी रूप से लगाई गई हों, उनकी देख-भाल ऐसी प्रक्रियाओं के अनुसार की जाएगी जो सभी प्राधिकारी द्वारा विनियिट दी गई हों।

11. चिकित्सा सम्बन्धी नियरानी :— विकिरण सम्बन्धी काम करने वाले सभी कार्यक्रमों की जांच ऐनी उचित विकित्सा संबंधी नियरानी की प्रक्रियाओं की सहायता से की जाएगी जो सभी प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी रखायी जाएगी।

12. अधिकेबों का अनुरक्षण —(1) विकिरण विविध संरक्षा प्राधिकारी नाम वुक रखेगा जिसमें सभी विकिरण स्त्रीयों के लाने ले जाने आदि का रिकार्ड द्वारा जाएगा जिसमें खोरों की आमद, भेड़ारण, सूची रखना, देना, परिवहन, शरीर में प्रविष्ट करना, अनुप्रयोग, ब्रैटाना और निपटान शामिल हो।

(2) कार्यक्रमों पर पहुँच विकिरण के प्रभाव की मात्रा, क्षेत्र संक्षणों, विकिरण संबंधी दुर्घटनाओं और पाई गई कमियों को दूरी करने के उपायों के संबंध में की गई कार्रवाई से गंभीर नाम वुक विकिरण विविध संरक्षा प्राधिकारी द्वारा रखी जाएगी।

(3) विकिरण उपस्कर्तों और रेडियोइमर्फी सामग्रियों का प्रयोग करने वाले प्राधिकारी अधिकारियों का रिकार्ड विकिरण विविधात्मक संरक्षा प्राधिकारी द्वारा रखा जाएगा ताकि वह सुनियित किया जा सके कि इस प्रकार के उपस्कर्तों और सामग्रियों का उपयोग अप्राविकृत कार्यक्रमों द्वारा नहीं किया जा रहा है।

(4) नियोक्ता सुमी विकित्सा संबंधी परीक्षणों का रिकार्ड उन परीक्षणों को गोपनीयता को तथा विकित्सा संबंधी आचार शास्त्र को समूचित रूप से इधान में रखने हुए रखेगा।

(5) प्रत्येक नियोक्ता यह गुतिज्ञत करेगा कि अर्थकृत आवधिकारी द्वारा जारी की गयी अनुपालन हो तथा सभी प्राधिकारी द्वारा निर्धारित उचित समयावधि तक रिकार्ड रखेगा।

13. विकिरण प्रतिक्रियाओं अथवा उपस्कर्तों का शक्तिभूत रूप से लंबे निया जाना :—(1) विकिरण प्रतिक्रियाओं अथवा विकिरण उपस्कर्तों को अंतिम रूप से बंद करने के प्रक्रियाओं में विकिरण द्वारा, संदूषित पदार्थ और सामग्रियों का सुखान्तरणक निपटान करना तथा सभी प्रमाणित श्रेष्ठों को विमोचित करना शामिल होगा।

(2) इसी प्रचालन को अंतिम रूप में बंद करने के लिए नियोक्ता सभी प्राधिकारी से दुर्बल अनुमति लेगा।

14. संहिताएं तथा संविधानां (गोट) :—चिकित्सा में विकिरण के विभिन्न अनुप्रयोगों में यसका संबंधी संहिताएं और संदर्भिकारी भी सभी प्राधिकारी द्वारा सभी-समय पर जारी की जाएंगी ताकि इन द्वारा सभी प्रक्रियाओं और तिथियों के अन्तर्गत अन्य मंगल आवधिकारी का अनुपालन सुनियित रहे।

15. नियोक्ता के विवित :—(1) इन चौकों प्रक्रियाओं तथा हग तंदंथ में सभी प्राधिकारी द्वारा जारी की गई संक्रिताओं और संदर्भिकारी को प्रसारी रूप से प्रसव में लाने के लिए नियरान, ही सीधा जिम्मेदार होगा।

(2) नियोक्ता यह सुनियित करेगा कि उनके हाथ नियुक्त विकिरण संबंधी यार्थ करने शाने सभी कार्गिकों को सभी प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर जारी रखायी जाएंगी ताकि इनकी और संदर्भिकारी के बारे में जानकारी दी रखें हो।

(3) नियोक्ता विकिरण चौकों संबंधी एवं अन्य विशेष प्रक्रियाओं का अनुपालन करेगा तो ग्रन्थ प्राधिकारी द्वारा ग्रन्थ-ग्रन्थ पर विनियिट की गई हो।

[भा.०९०६०४०४०८.०१/१८/१०५/१६८१]

प्रमुख युवार दे, प्रधान

## ATOMIC ENERGY REGULATORY BOARD

Bombay, the 29th March, 1989

G.S.R. 388.—In pursuance of rule 15 of the Radiation Protection Rules, 1971, the Atomic Energy Regulatory Board, hereby specifies the following radiation surveillance procedures for medical applications of radiation, namely :—

1. Short title, extent and commencement.—(1) These procedures shall be called the Radiation Surveillance Procedures for Medical Applications of Radiation, 1989.

(2) It shall apply to the whole of India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these procedures, unless the context otherwise requires,—

(a) "adequate protection" means protection against radiation so provided that the levels of radiation and contamination are kept as low as reasonably achievable and in no case exceed the prescribed operational limits;

(b) "appropriate" means appropriate in the opinion of the competent authority to ensure adequate protection;

(c) "authorisation" means written permission of the competent authority to handle radiation equipment;

(d) "authorised personnel" means personnel with appropriate qualifications and experience necessary to administer radiation or radionuclides to the patient for the specific medical diagnosis or therapy;

(e) "commissioning" means starting the use of radiation equipment or radiation installation subsequent to performing such tests and measurements as are necessary to confirm the safety and performance of the equipment or installation in accordance with the design intent or specifications;

- (f) "competent authority" means any officer or authority appointed by the Central Government by notification to enforce the Rules;
- (g) "decommissioning" means discontinuation of the use of radiation equipment or radiation installation on a permanent basis, with or without dismantling the radiation equipment, after all radioactive materials have been removed from it;
- (h) "employer" means any person who employs radiation workers or who is self-employed as the only radiation worker in a radiation installation;
- (i) "external hazards" means health related hazards due to exposure to ionising radiation originating from a source located external to the body of the exposed person;
- (j) "handle" means manufacture, possess, store, use, transfer by sale or otherwise, export, import, transport or dispose of,
- (k) "internal hazards" means health related hazards due to exposure to ionising radiation originating from a source located internal to the body of the exposed person;
- (l) "licensee" means a person who has been granted a licence under rule 3 of the Rules;
- (m) "operational limits" means limits on levels of radiation or levels of contamination as the competent authority may, by notification, specify from time to time;
- (n) "planning" means planning for the provision of appropriate (i) building layout, (ii) radiation shielding, (iii) protection equipment and (iv) operational procedures, to ensure adequate protection in course of handling radioactive material or radiation equipment and performing related operations in the proposed radiation installation;
- (o) "quality assurance tests" means conducted to ensure performance and reliability of the radiation equipment in accordance with the design specifications;
- (p) "radiation" or "ionising radiation" means gamma rays, x-rays, rays consisting of alpha particles, beta particles, neutrons, protons and other nuclear and sub-atomic particles but not sound or radiowaves, or visible infra-red or ultra-violet light;
- (q) "radiation equipment" includes equipment or appliances incorporating radioactive materials, and radiation generating plants and equipment including those generating x-rays, medical accelerators, and neutron generators;
- (r) "radiation installation" means any location or facility which in the opinion of the competent authority requires radiation surveillance and includes all locations where radioactive materials or radiation equipment is handled or related procedures and operations are carried out;
- (s) "radiation surveillance" means measures that may be specified by the competent authority to provide adequate protection either generally or in any individual case and include the measures and procedures specified in these procedures for medical applications of radiation;
- (t) "Radiological Safety Officer" means any person who is so designated by the employer and who, in the opinion of the competent authority, is qualified to discharge the functions mentioned in the Rules;
- (u) "Rules" means the Radiation Protection Rules, 1971;
- (v) words and expressions not defined in these procedures, but defined in the Rules shall have the meanings respectively assigned to them in the Rules.

3. Objectives of a radiation surveillance programme.—(1) The employer shall ensure that all procedures and operations

involving radiation installations, radiation equipment and radioactive materials are performed in conjunction with a pre-planned surveillance programme approved by the competent authority so as to ensure adequate protection.

(2) The surveillance programme shall, inter-alia, include :

- (i) the provision of appropriate built-in safety features in respect of both radiation equipment and radiation installations to ensure adequate protection;
- (ii) the provision and use of appropriate radiation measuring and monitoring devices or instruments; and
- (iii) the periodic monitoring of all safety related parameters and systems to ensure their continued satisfactory performance.

4. Licence or authorisation.—(1) Any employer desirous of handling a radiation equipment or radioactive material, shall do so only after obtaining prior permission of the competent authority.

(2) He shall apply to the competent authority for such permission which will be granted to him in the form of either a licence or an authorisation from the competent authority for the handling of such material or equipment.

5. Design safety of equipment.—(1) All radiation equipment and protective equipment and their accessories shall be appropriately designed and constructed with due regard to their shielding adequacy and operational safety.

(2) All radioactive sources and their associated assemblies shall be designed and constructed with due regard to their containment integrity and radiation safety in normal use as well as in accident conditions.

(3) Protection against external hazards shall be provided by employing a judicious combination of factors such as minimum source handling time, optimal source to user distance and appropriate shielding immediately around the source in the most efficient configuration.

(4) Protection against internal hazards shall be provided by measures such as ensuring appropriate containment of radioactive materials, choosing proper predetermined operating procedures and taking appropriate measures to limit the extent of spread of contamination in the event of accident or spills.

(5) (a) Approval of the competent authority shall be obtained for each type of radiation equipment manufactured in the country.

(b) Approval of the competent authority shall be obtained prior to the import or sale of radiation equipment.

6. Planning of a radiation installation.—(1) The location and planning of a radiation installation shall be such as to ensure adequate protection to the members of the staff, patients and the public.

(2) Appropriate measures to achieve this objective shall include the following measures, namely :

- (i) a radiation installation shall have integrated facilities at one location for the handling of radiation equipment and radioactive materials;
- (ii) a radiation installation shall be located as far away as feasible from high occupancy areas, paediatric and maternity wards and other facilities of the institution that are not directly related to radiation and its use;
- (iii) the layout of a radiation installation and safety equipment shall be so planned that all the radiation handling operations can be performed in a safe manner.

7. Commissioning of a radiation equipment or radiation installation : Any radiation equipment or radiation installation shall be commissioned only after all aspects including design, planning, construction and operation have been duly approved by the competent authority.

8. Working conditions in a medical radiation installation to be ensured by every employer.—(1) Only authorised personnel shall administer radiation or radioisotopes to a patient.

(2) Appropriate facilities shall be provided by the employer at all times for storage, dispensing, transport, use including administration, and disposal of radioactive materials.

(3) Quality assurance tests shall be performed periodically on all radiation equipment and accessories and records of all these tests shall be maintained properly.

(4) A qualified Radiological Safety Officer shall be appointed by the employer with the approval of the competent authority to implement the radiation protection programme including all in house radiation surveillance measures and procedures and to discharge the functions under the Rules.

(5) Reasonable care shall be exercised by each radiation worker to protect himself and others by making full use of safety equipment and protection devices by the competent authority.

(6) Appropriate steps shall be taken to prevent damage to, or loss or misplacement of radioactive materials and such steps shall include—

- (i) appropriate source integrity tests for sealed sources as laid down by the competent authority;
- (ii) regular stock taking as may be necessary of all radioactive materials including spent sources that may not be in use and are awaiting disposal; and
- (iii) appropriate facilities, including availability of radiation measuring instruments, for the search and recovery of lost or misplaced sources.

(7) (a) Spillage of unsealed sources shall be avoided by proper handling procedures approved by the competent authority.

(b) Appropriate decontamination facilities approved by the competent authority shall be provided for ready use in the radiation installation.

(8) Damaged or spent sources shall be effectively isolated and shall not be used further.

(9) The competent authority shall be informed forthwith of any damage, misplacement or loss of sources.

9. Disposal procedures for radioactive effluents.—(1) The gaseous radioactive effluents resulting from medical applications of radioactive materials may be released to the atmosphere through a fumehood or other appropriate exhaust system in such a way that the operational limits for contamination in air, laid down by the competent authority, are not exceeded.

(2) Solid and liquid radioactive wastes shall be disposed of in accordance with the guidelines that may be issued by the competent authority.

(3) Cadavers and carcasses containing radioactive materials shall be disposed of under the supervision of the Radiological Safety Officer and in accordance with the guidelines that may be issued by the competent authority.

10. Protection Surveillance to be ensured by every employer.—(1) All radiation workers shall be provided with appropriate personnel monitoring devices.

(2) Appropriate radiation measuring instruments shall be provided for day to day use.

(3) The radiation measuring instruments shall be maintained in good working condition and calibrated regularly.

(4) The Radiological Safety Officer shall impart appropriate radiation protection training to all radiation workers on their employment before they start radiation work and periodic refresher courses shall be conducted to keep these workers abreast in respect of latest equipment, procedures and work practices.

(5) Patients with removable sealed radioactive sources in their body shall be hospitalised and a careful check shall be maintained on such patients and sources to avoid loss or misplacement of such sources.

(6) Patients administered with unsealed radioactive material or with permanent implants shall be dealt with in accord-

ance with procedures that may be specified by the competent authority.

11. Medical Surveillance.—All radiation workers shall be subject to appropriate medical surveillance procedure as may be specified from time to time by the competent authority.

12. Maintenance of records.—(1) The Radiological Safety Officer shall maintain log books showing records of movements of all radiation sources including their arrival, storage, inventory, dispensing, transport, administration, use, removal and disposal.

(2) Log books of personnel doses, area surveys, radiation incidents and remedial actions taken, shall be maintained by the Radiological Safety Officer.

(3) The Radiological Safety Officer shall maintain records of persons authorised to handle radiation equipment and radioactive materials in order to ensure that such equipment or materials are not used by unauthorised personnel.

(4) Records of all medical examinations shall be maintained by the employer with due regard to their confidential nature and medical ethics.

(5) Every employer shall ensure compliance with the above requirements and maintain the records for appropriate periods as may be specified by the competent authority.

13. Decommissioning of a radiation installation or equipment.—(1) Procedures for decommissioning of a radiation installation or radiation equipment shall include safe disposal of radiation sources, contaminated objects and materials and decontamination of all affected areas.

(2) The employer shall obtain prior permission from the competent authority for undertaking any decommissioning operation.

14. Codes and Guides.—The competent authority may also issue from time to time, Codes and Guides governing the safety in the various medical applications of radiation in order to enable compliance with these surveillance procedures and other relevant requirements under the Rules.

15. Responsibilities of the employer.—(1) The employer shall be directly responsible for the effective implementation of these surveillance procedures and Codes and Guides issued by the competent authority in this behalf.

(2) The employer shall ensure that all radiation workers in his employment are informed of surveillance procedures and Codes and Guides that may be issued by the competent authority from time to time.

(3) The employer shall comply with any other special radiation surveillance procedure that may be specified by the competent authority from time to time.

[No. AERB/01/18/105/1681]

A. K. DE, Chairman

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 मई, 1989

मां. का० न० ३८९,— भ्रष्टक शान श्रम कल्याण निधि नियम, 1948 का और संशोधन करते के लिए कल्पित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार भ्रष्टक शान श्रम कल्याण निधि प्रबिधियम, 1946 (1946 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनना चाही है, उक्त धारा की उपधारा (1) के अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जातकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिसके उससे प्रभावित होने की संभावना है और इसके द्वारा यह तूकना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस प्रविधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किसी ऐसे व्यक्तियों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनियिष्ट अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

## प्राप्ति नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम अधक खान श्रम कल्याण निधि (मंशोधन) नियम, 1989 है।

2. अधक खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1948 में, नियम 11 में, (क) उपनियम (1) में “यात्रा और दैनिक भत्ता” शब्दों के पश्चात् “और सवारी भत्ता” शब्द अल्ला स्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) को काट दिया जाएगा।

(ग) उपनियम (3) को उपनियम (2) के स्पष्ट में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम में “या दैनिक भत्ता” शब्दों के पश्चात् “या सवारी भत्ता” शब्द अल्ला स्थापित किए जाएंगे।

[का० सं० ए०-23013/5/87-डब्लू० 11(i)]

## MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 12th May, 1989

G.S.R. 389.—The following drafts of certain rules further to amend [The Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948 which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 6 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

## Draft Rules

1. These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, in rule 11,

(a) in sub-rule (1), after the words “travelling and daily allowance”, the words, “and conveyance allowance” shall be inserted.

(b) Sub-rule (2) shall be deleted.

(c) Sub-rule (3) shall be re-numbered as sub-rule (2) and in the sub-rule so re-numbered after the words “or daily allowance” the words “or conveyance allowance” shall be inserted.

[F. No. S-23013/5/87-W.II(i)]

मा० का० नि० 390.— चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1973 का श्रीर संशोधन करने के लिए कानूनपाय नियमों का निम्नलिखित प्राप्ति जिसे केन्द्रीय सरकार चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972 (1972 का 62) की धारा 16 द्वारा प्रदत्त अक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनागा चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अवधानतुमार ऐसे मध्ये अक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की समावना है और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्ति पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस विन की अधिधिकी की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

किन्तु ऐसे अक्तियों या सूचनाओं पर जो उपर्युक्त विनियोग अवधि समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्राप्ति की बाबत किसी अक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेंगी।

## प्राप्ति नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. चूना पत्थर और डोलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1973 में, नियम 10 में;

(क) उपनियम (1) में, “यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता” शब्दों के पश्चात् “और सवारी भत्ता” शब्द अल्ला स्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपनियम (2) को काट दिया जाएगा;

(ग) उपनियम (3) को उपनियम (2) के स्पष्ट में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनः संख्यांकित उपनियम में “या दैनिक भत्ता” शब्दों के पश्चात् “या सवारी भत्ता” शब्द प्रत्यक्षित किए जाएंगे।

[का० सं० ए०-23013/5/87-डब्लू० II (ii)]

पाद टिप्पणी—मूल नियम भारत के राजपत्र भाग 2, खंड 3, उपबंध (1) में अधिसूचना सा० का० नि० सं० 1273 तारीख 15 नवम्बर, 1973 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पचाल निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए:—

## क्रम अधिसूचना सं०

## तारीख

सं०

1. सा० का० नि० 255	5 फरवरी, 1976
2. सा० का० नि० 1063	8 अगस्त, 1978
3. सा० का० नि० 550	1 मई, 1982
4. सा० का० नि० 487	17 जून, 1983
5. सा० का० नि० 235	19 भार्द्द, 1987

G.S.R. 390.—The following draft of certain rules further to amend The Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by Section 16 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972 (62 of 1972) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

## Draft Rules

1. These rules may be called The Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, in Rule 10 (a) in sub-rule (1), after the words “travelling allowance and daily allowance”, the words, “and conveyance allowance” shall be inserted.

(b) Sub-rule (2) shall be deleted.

(c) Sub-rule (3) shall be re-numbered as sub-rule (2) and in the sub-rule so re-numbered after the words “or daily allowance” the words “or conveyance allowance” shall be inserted.

[No. S-23013/5/87-W.II(ii)]

Foot Note : Principal Rules were published vide Notification GSR No. 1273 dated the 15th November, 1973 published in the Gazette of India, Part II Section 3 sub-section (1) and subsequently amended by :—

S. No.	Notification No.	dated
1.	GSR 255	5th February, 1976
2.	GSR 1063	8th August, 1978
3.	GSR 550	1st May, 1982
4.	GSR 487	17 June, 1983
5.	GSR 235	18th March, 1987

मा० का० नि० 391—नौद अयस्क खान, मैगनीज अयस्क खान और कॉम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्राप्त, जिसे केन्द्रीय सरकार नीह अयस्क खान और मैगनीज अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि प्रविधियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) के अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की समावना है और इसके द्वारा यह मूल्यांकन दी जाती है कि उक्त प्राप्ति पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैदानीम दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

किन्तु ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनियिक्त अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्राप्ति की वापन किसी व्यक्ति के प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

#### प्राप्ति नियम

१. इन नियमों का संक्षिप्त नाम नौद अयस्क खान, मैगनीज अयस्क खान और कॉम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1984 है।

२. नौद अयस्क खान, मैगनीज अयस्क खान और कॉम अयस्क खान, श्रम कल्याण निधि नियम, 1978 में, नियम ४ के स्थान पर निम्नलिखित रूप्रा अप्रृत्या, अप्रृत्यः—

“३. मर्दों को देय भत्ता :

(1) “प्रथेक और सरकारी मदम्य विन मत्रालय के कार्यालय जापन सं० पाठ० ८ (26)---इ० ४/५९—तारीख ५ सितम्बर, 1960 में, जो तत्पत्र प्रवत्त है, अन्तर्विष्ट अनुदेशों के अनुमान यात्रा भत्ता, दैनिक और सवारों भत्ता प्राप्त करने का हवायार होगा।

(2) इन नियम के अधीन भत्ता और सरकारी सदस्यों द्वारा इस आशय के प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाते पर ही अनुबंध होगा कि उन्होंने यात्राओं और विद्यार्थों के संबंध में यात्रा, दैनिक या सरारी भत्ते का किसी अन्य थोत में वाया नहीं किया है या उसे नहीं लिया है।”

३ नियमों को अनुसूची १ की बाट दिया जाएगा।

[का० म० एम-३३०१३/५/८७-इन्डू० II(iii)]

#### पाद टिप्पण्य

मूल नियम भारत के राजपत्र, भाग २, खण्ड ३, उपर्युक्त (1) तारीख २८ अगस्त, 1978 में अधिसूचना सं० मा० का० नि० 1061 तारीख ९ अगस्त, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

नियमात उन्हें निम्नलिखित द्वारा संशोधित किया गया—

- भागन के राजपत्र, भाग २ के पृष्ठ 2219 पर प्रकाशित प्रधिसूचना सं० मा० का० नि० 921 तारीख १४ मितम्बर, 1981
- प्रधिसूचना सं० मा० का० नि० 535 (अ) तारीख २८ जून, 1983
- प्रधिसूचना मं० मा० का० नि० 430 तारीख १५-४-१९८५
- प्रधिसूचना मं० मा० का० नि० 234 तारीख १९-३-१९८७

G.S.R. 391.—The following draft of certain rules further to amend the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 12 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

#### Draft Rules

1. These rules may be called the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Iron Ore Mines, Manganese Ore Mines and Chrome Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, for Rule 8, the following shall be substituted, namely :—

“8. Allowance payable to members :

(1) “Every non-official member, shall be entitled to receive travelling allowance, daily allowance and conveyance allowance in accordance with the instructions contained in Ministry of Finance O. M. No. 6(26)-E-IV/59 dated 5th September, 1960 as for the time being in force.

(2) The allowances under this rule shall be admissible only on production of a certificate by the non-official members to the effect that they have not claimed or drawn travelling, daily or conveyance allowance in respect of journeys and halts from any other source.”

3. Schedule-I of the Rules shall be deleted.

[F. No. 23013/5/87-W.II(iii)]

Foot Note : Principal Rules published vide notification G.S.R. No. 1064 dated 9th August, 1978 in the Gazette of India Part II Section 3 sub-section (i) dated 28th August, 1978.

Subsequently amended vide (1) Notification GSR No. 921 dated 14th September, 1981 published at page 2219 of the Gazette of India Part II.

(2) Notification No. GSR 535(E) dated 28th June, 1983.

(3) Notification No. GSR 430 dated 15-4-1987.

(4) Notification No. GSR 234 dated 19-3-87.

मा० का० नि० 392—बीडी कर्मकार कल्याण निधि नियम, 1978 का और संशोधन करने के लिए कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्राप्त, जिसे केन्द्रीय सरकार बीडी कर्मकार कल्याण निधि प्रधिसूचना, 1976 (1976 का 62) की धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बनाना चाहती है, उक्त धारा की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है, जिनके उससे प्रभावित होने की समावना है और इसके द्वारा यह मूल्यांकन दी जाती है कि उसे प्राप्ति पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैदानीम दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात विचार किया जाएगा।

किन्तु ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो उपर्युक्त विनियिक्त अवधि की समाप्ति पर या उसके पूर्व उक्त प्राप्ति की वापन किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

#### प्राप्ति नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम बीडी कर्मकार कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1989 है।

2. बीड़ी कर्मकार कल्याण नियम, 1978 में, नियम 8 के स्वान पर निम्नलिखित रूपा जाएगा, याहाँ—

"8. मदम्पों को देख भावे—

(1) "प्रत्येक गैर मरकारी मदमा, जिसके अन्तर्गत नियम 7 के अधीन मदम्पोंजित गैर मरकारी मदम्पों भी है, वित्त मंत्रालय के कार्यालय जापन में प्रका 6 (26)-ई 4/59 तारीख 5 मित्तम्बर, 1960 में, जो तहसम्प्र प्रश्न है, अन्तर्गत प्रत्युदण्डों के प्रत्यागार यात्रा भना, दैनिक भना और गवारी भना प्राप्त करने का हकदार होगा।

(2) इस नियम के अधीन भना गैर मरकारी मदम्पों द्वारा हम प्राप्त या का प्रत्यागार प्रत्युदण्ड लिए जाने पर ही अनुशेष्य होगा, कि उन्होंने यात्राओं और विरागों के संबंध में यात्रा, दैनिक या मरकारी भने का किसी अन्य श्रोत से दावा नहीं किया है या उसे नहीं लिया है।"

3. नियमों की अनुगूणी 1 को काट दिया जाएगा।

[फा० में प्रम-23013/5/87-इन्यू० (II) (iv)]

वर्तमान नाम, अवधि संचित

पाँ५ टिप्पणी— मूल नियम भारत के राजपत्र तारीख 7 अक्टूबर 1978 में अधिसूचना में भा० का० नि० 1232 तारीख 25 मित्तम्बर, 1978 द्वारा प्रकाशित किए गए थे।

तत्पश्चात उन्हें भारत के राजपत्र तारीख 22 अगस्त, 1982 में प्रकाशित अधिसूचना में सांख्या०नि० 703 तारीख 6 अगस्त 1982 द्वारा संशोधित किए गये।

G.S.R. 392.—The following draft of certain rules further to amend The Beedi Workers Welfare Fund Rules, 1978 which the Central Government proposes to make in exercise of powers conferred by section 12 of the Beedi Workers Welfare Fund Act, 1976 (62 of 1976) are hereby published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of period of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft on or before the expiry of the period specified above will be considered by the Central Government.

#### Draft Rules

1. These rules may be called the Beedi Workers Welfare Fund (Amendment) Rules, 1989.

2. In the Beedi Workers Welfare Fund Rules, 1978, for Rule 8, the following shall be substituted, namely :—

"8. Allowances payable to members :

(1) "Every non-official member including a non official member co-opted under rule 7, shall be entitled to receive travelling allowance, daily allowance and conveyance allowance in accordance with the instructions contained in the Ministry of Finance O.M. F. 6(26)-EIV/59, dated 5th September, 1960 as for the time being in force.

(2) The allowances under this rule shall be admissible only on production of a certificate by the non-official members to the effect that they have not claimed or drawn travelling allowance, daily allowance or conveyance allowance in respect of journeys and halts from any other source."

3. Schedule-I of the Rules will be deleted.

[No. S-23013/5/87-W.II(iv)]

V. D. NAGAR, Under Secy.

#### FOOT NOTE :

Principal rules published vide notification GSR No. 1232 dated 25th September, 1978 in the Gazette of India dated 7th October, 1978.

Subsequently amended vide notification GSR No. 703 dated 6th August, 1982 in the Gazette of India, dated 21st August, 1982.